हर समारोह के लिए इकोफ्रेंडली थाली, कटोरी, प्लेट के निर्माता
श्री इंटरप्राइजेज
शिवराल कुंज, रेलवे मैदान, मकराई, डेहरी-आन-सोन
8092175799
निर्माण इकाई : अर्जुन बिगहा

रजिस्ट्रार आफ न्यूजपेपर्स आफ इंडिया (भारत सरकार) से पंजीकृत RNI38345/80 कोड BIH HIN02581
अखिल भारतीय विशेष 'प्रज्ञा' पुरस्कार प्राप्त
sonemattee.com

सोनमाटी

बिहार के विश्वविश्रुत सोन नद अंचल का अग्रणी समाचार-विचार पत्र

1999 से सक्रिय नूतन-पुरातन ज्ञान समागम का प्रतिनिधि मंच
सोनघाटी पुरातत्व परिषद, बिहार
कार्यालय : सोनमाटी-प्रेस गली
डेहरी-आन-सोन (रोहतास)
माइक्रो म्यूजियम : अर्जुन बिगहा
9523154607, 7991179942

डेहरी-डालमियानगर : 30 सितम्बर-06 अक्टूबर, 2024 1979 में स्थापित हिन्दी में भारत का एक सर्वश्रेष्ठ लघु आंचलिक मीडिया ब्रांड वर्ष 44 अंक 71 रु. 10/- वार्षिक सहयोग 250/-
ग्लोबल न्यूजपोर्टल sonemattee.com WA 9708778136,Ph.9955622367 Email: sonemattee@gmail.com Postal R.n.SSR/G-1/2018-19

ईमानदारी-नैतिकता की पराकाष्ठा थे लालबहादुर शास्त्री

डेहरी-आन-सोन (रोहतास)- पिंकी कुमारी। भूतपूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के जीवनी लेखकों डा. महावीर अधिकारी (साप्ताहिक करंट के संपादक) और चंद्रिका प्रसाद श्रीवास्तव (निजी सचिव रहे आईएएस अधिकारी) की पुस्तकों के आधार पर सोनघाटी पुरातत्व परिषद, बिहार के सचिव अवधेश कुमार सिंह का कहना है कि उनकी जिंदगी खुली किताब की तरह थी, वह न तो पैसा छोड़ गए थे और न ही घर या जमीन-जायदाद। मरने के बाद उनके बैंक एकाउंट में 365 रुपये 35 पैसे थे। स्कूल-कालेज के दिनों में पैसे के अभाव में वह लंबी दूरी पैदल ही तय करते थे। कई बार तो गंगा पार कराने के लिए नाव के पैसे नहीं होने पर तैर कर ही नदी पार की थी। समाजसुधार की भावना ऐसी कि काशी विद्यापीठ से शास्त्री की डिग्री (उपाधि) पाने के बाद जातिसूचक श्रीवास्तव हटाकर शास्त्री रख लिया। इसके पश्चात् शास्त्री शब्द लालबहादुर के नाम का पर्याय ही बन गया।

प्रधानमंत्री रहते हुए एक बार बिहार के कुछ लोगों को प्रधानमंत्री आवास पर मिलने का समय दिया था, मगर एक खास विदेशी मेहमान के स्वागत के कार्यक्रम के कारण आवास पर पहुंचने में देर हो गई। बिहारी दल इंतजार के बाद निराश होकर लौट गया। घर आने पर शास्त्रीजी खुद बस स्टाप पहुंचे और उस दल को प्रधानमंत्री आवास ले आए। बहुत कम लोगों को पता है कि शास्त्रीजी देश के प्रतिष्ठित अंग्रेजी अखबारों के संपादकीय पृष्ठ के स्तंभ लेखक भी थे। कामराज योजना के तहत 1963 में नेहरू मंत्रीमंडल से इस्तीफा देने के बाद सिर्फ सांसद रह गए तो 500 रुपये के वेतन से घर का खर्च नहीं चल पाता था। तब सुप्रसिद्ध पत्रकार कुलदीप नैयर ने लेखक सिंडीकेट बनाकर उन्हें अखबारों में लिखने के लिए मनाया। कुलदीप नैयर उनके

लालबहादुर शास्त्री के साथ पत्नी ललिता शास्त्री

प्रेस सलाहकार के रूप में उनकी मृत्यु के समय ताशकंद में मौजूद थे।

1965 भारत-पाक युद्ध के बाद शास्त्रीजी ने नेहरू के मुकाबले राष्ट्र को उत्तम नेतृत्व प्रदान किया और जय जवान-जय किसान का नारा दिया। इससे भारत की जनता का मनोबल बढ़ा और सारा देश एकजुट हो गया।

सादगी, ईमानदारी के प्रति कृतज्ञ है देश :

सोनमाटी के प्रबंध संपादक निशान्त राज यह मानते हैं कि बेशक आज भी समूचा भारत लालबहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी, दृढ़ता और राष्ट्रभक्ति को कृतज्ञता से याद करता है। प्रधानमंत्री रहते हुए शास्त्रीजी ने कर्ज लेकर फीएट कार खरीदी थी। उनकी मृत्यु के बाद बैंक अधिकारी उनकी पत्नी ललिता शास्त्री के पास प्रस्ताव लेकर पहुंचे कि कार का कर्ज माफ कर देंगे, लेकिन स्वाभिमानी ललिताजी ने अभाव के बावजूद कर्ज माफ करने की इजाजत नहीं दी और उसे किस्तों में भरना मंजूर किया।

सोनमाटीडाटकाम
sonemattee.com
देश-विदेश में हो रहा सर्च

*बिहार के सोन नद अंचल केंद्रित ग्लोबल न्यूज-व्यूज वेबपोर्टल **सोनमाटीडाटकाम** देश-प्रदेश की राजधानी पटना, नई दिल्ली और अन्य प्रदेशों की राजधानियों रांची, भोपाल, लखनऊ, कोलकाता, गांधीनगर, चंडीगढ़, हैदराबाद, देहरादून, शिमला, मुंबई आदि सहित भारत के प्रमुख 06 दर्जन शहरों और अमेरिका, इंग्लैंड, नेपाल, मैक्सिको, कनाडा, डेनमार्क, जापान, चीन आदि डेढ़ दर्जन देशों में नियमित सर्च हो रहा है। सोनमाटी की संपादकीय नीति रोजमर्रा की सूचना समाचार से अलग खास कंटेन्ट की है।*

प्रबंध संपादक, सोनमाटी

सर्च इंजनों
-गूगल Google,
-याहू Yahoo
-बिंग Bing
-*माइक्रोसॉफ्ट* Microsoft पर सर्च करें।

साइबर ठग आजमा रहे हैं नए हथकंडे, जागरूकता ही बचाव का एकमात्र साधन

डेहरी-आन-सोन (रोहतास) कार्यालय प्रतिनिधि। साइबर अपराधी दिन-प्रतिदिन लोगों को नए तरीके से अपने झांसे में लेकर उन्हें ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में अगर आप ठगी का शिकार बनते हैं तो इसकी सूचना तुरंत एसपी या संबंधित थाना को दें।

एसपी रौशन कुमार के अनुसार अभी पिछले कुछ दिनों में ऐसे दृष्टांत सामने आए हैं, जिसमे अनजान व्यक्ति द्वारा आमजनों को मोबाइल पर काल किया जाता है। वह व्यक्ति अपने आपको थाना, पुलिस निरीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस सब अधीक्षक के कार्यालय का कर्मी

बताता है तथा किसी कांड की धारा हटाने, धारा कम करने या धारा बढ़ाने यादि के नाम पर पैसे की मांग करता है। उन्होंने जिलावासियों को सुझाव दिया है कि इस प्रकार के झांसे में आकर पैसा न दें। यह एक प्रकार का साइबर फ्रॉड है।

उन्होंने कहा है कि अगर इस तरह का कॉल आता है, तो तत्काल इसकी लिखित सूचना अपने नजदीकी थाना, वरीय पुलिस पदाधिकारी को दें। कहा है कि साइबर अपराधी पुलिस के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) का फायदा उठाकर पोर्टल से कांड की प्रति निकालकर कांड के संबंध में सारी जानकारी देता है। इसके पश्चात कांड के वादी या आरोपित को पुलिस पदाधिकारी, पुलिस कार्यालय के कर्मी के नाम पर कॉल करता है, जिससे वादी या आरोपित को आसानी से झांसे में ले लेता है। एसपी ने कहा है कि थाना या पुलिस कार्यालय से कांड के वादी या आरोपित तथा आमजनों को इस प्रकार का कोई कॉल नहीं किया जाता है। अगर किसी कांड में बुलाया जाता है, तो थाना के चौकीदार के माध्यम से लिखित रूप में बुलाया जाता है।

उन्होंने कहा है कि अगर विशेष परिस्थिति में किसी थाना पुलिस कार्यालय के कर्मी द्वारा कांड के संबंधित जानकारी लेने के लिए बुलाना हो, तो अधिकृत सरकारी मोबाइल नंबर के माध्यम से ही कॉल किया जाता है।

घर-घर जाकर दिलाई भाजपा की सदस्यता, सदस्यता ही पार्टी का आधार

डेहरी-आन-सोन (रोहतास)-पिंकी कुमारी। विकसित भारत और समृद्ध भारत बनाने के उद्देश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्यता अभियान को सर्वव्यापी बनाने के लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा के सदस्य बनाने के लिए जहां संगठन से सदस्य बनाया।

श्री यादव ने कहा कि इस बार डेहरी विधानसभा में अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनाना है, जितना अधिक सदस्य बनाएंगे उतना ही अधिक पार्टी सशक्त होगी। उन्होंने ने कहा कि सदस्यता ही पार्टी का आधार है। मौके पर गोपाल प्रसाद, ओमप्रकाश सिन्हा उर्फ कमल, मदन तिवारी, मुन्नू सिन्हा, अनमोल यादव, रंजीत कुमार, नरेंद्र सिंह एवं अन्य मौजूद थे।

लगा हुआ है वहीं पूर्व विधायक सत्यनारायण सिंह यादव के नेतृत्व में नगर के घर-घर संपर्क अभियान शुरू किया गया। लोगों को ऑनलाइन भाजपा का सदस्य बनाया गया।

इसी के अंतर्गत सत्यनारायण सिंह यादव के नेतृत्व में उनके टीम द्वारा स्थानीय मोहल्ला न्यू एरिया के वार्ड नं. 25 व 26 में घर-घर जाकर मोबाइल के माध्यम

कार के नंबर पर हेलमेट नहीं पहनने का जुर्माना

डेहरी-आन-सोन (रोहतास)-निशांत राज। ट्रैफिक पुलिस के गलत और हैरान करने वाले मामला प्रकाश में आया है हैरानी की बात यह है कि कार के नंबर पर हेलमेट नहीं पहनने का चालान कटा गया।

नासरीगंज निवासी रुस्तम अंसारी के मोबाइल पर अचानक ई-चालान का मैसेज आया। जिसमें एक हजार रुपए का जुर्माना किया गया है। मैसेज देख वह दंग रहे गए, क्योंकि कार के नंबर पर बाइक का चालान भेज दिया।

वाहन स्वामी का कहना है कि चालान में उन्हीं की गाड़ी का नंबर बीआर 02 बीपी 4377 और इंजन नंबर दर्शाया गया, लेकिन चलन में तस्वीर बाइक की है। जिसमें हेलमेट नहीं पहनने पर जुर्माना लगाया गया है। यहीं नहीं, चालान भी

बिहार शरीफ (नालंदा) के मछली मंडी बाजार में कटा गया है, जो की वो गए भी नहीं। कहा कि इससे संबंधित शिकायत ई-मेल के माध्यम से पुलिस अधीक्षक, नालंदा को किया है।

वाहन स्वामी स्थानीय रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत है।

कविता

काश कोई होता जो बिन कहे सब समझ लेता

ऐसा भी होता जग में कोई ,
जो मेरी नजरों को पढ़ लेता ।
मेरी नजरों को पढ़कर वह ,
एक नई कहानी भी गढ़ लेता ।।
चल देता मंजिल को ढूँढ़ने ,
नव मार्ग पर वह कढ़ लेता ।
हासिल करता मुकाम वह ,
सर्वोच्च शिखर पे चढ़ लेता ।।
चल पड़ता वह नव मार्ग पर ,
नव मार्ग पर भी बढ़ लेता ।
जहाँ मार्ग कोई संशय होता ,
वहीं अल्प समय ठढ़ लेता ।।
मानव मानव एक समझता ,
मानवता कृति समझ लेता ।
काश कोई होता ऐसा जो ,
बिन कहे सब समझ लेता ।।

अरुण दिव्यांश
डुमरी अड्डा
छपरा (सारण)
बिहार।

नवरात्रि का अर्थ

ध्रुव गुप्त

प्राचीन काल से ही हिन्दू धर्म तीन मुख्य संप्रदायों में बंटा रहा है - विष्णु का उपासक वैष्णव, शिव का उपासक शैव और शक्ति का उपासक शाक्त संप्रदाय। दुनिया के दूसरे तमाम धर्मों की तरह वैष्णव और शैव संप्रदाय सृष्टि की सर्वोच्च शक्ति पुरुष को मानते हैं। देवी को ईश्वर के रूप में पूजने वाला शाक्त संप्रदाय दुनिया का संभवतः एकमात्र धार्मिक सम्प्रदाय है। शाक्त परंपरा के अनुसार शक्ति पूजा के नौ-दिवसीय उत्सव नवरात्रि का आरंभ है। लोगों का विश्वास है कि इन नौ दिनों की कठिन उपासना से प्रसन्न होकर देवी उनका कल्याण करने उतरती हैं। सच तो यह है कि किसी आसमान में कोई देवी नहीं रहती। वह हर स्त्री के भीतर ही अवस्थित है उस सृजनात्मक और पालक शक्ति के रूप में जिसे प्रकृति ने सिर्फ और सिर्फ स्त्रियों को सौंपा है। उस अथाह प्यार, ममता और करुणा के रूप में जो कभी मां के रूप में व्यक्त होता है, कभी बहन, कभी बेटी, कभी मित्र, कभी प्रिया और कभी पत्नी के रूप में। दुर्गा पूजा, गौरी पूजा और काली पूजा स्त्री-शक्ति के तीन विभिन्न आयामों के सम्मान के प्रतीकात्मक आयोजन हैं। काली स्त्री का आदिम, अनगढ़ और अनियंत्रित स्वरुप है जिस पर काबू करना पुरुष अहंकार के बस की बात नहीं। गौरी या पार्वती स्त्री का सामाजिक तौर पर नियंत्रित, गृहस्थ, ममतालु रूप है जो सृष्टि का जनन और पालन करती है। दुर्गा स्त्री के आदिम और गृहस्थ रूपों के बीच की स्थिति है जो परिस्थितियों के अनुरुप सौम्य भी है, करूणामयी भी और संहारक भी।

पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पटना

(साभार : फेसबुक वाल)

एनसिस की आईआईटी रूड़की के साथ साझेदारी, जिससे डिजाइन और उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा

हरिद्वार(उत्तराखंड)-विशेष प्रतिनिधि। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रूड़की ने डिजाइन एवं उद्यमिता पर क्षमता निर्माण के माध्यम से अपने छात्रों को उद्यमिता की दिशा में सशक्त बनाने के लिए अग्रणी इंजीनियरिंग सिमुलेशन सॉफ्टवेयर कंपनी एन्सिस सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। दरअसल डिजाइन एवं उद्यमिता कार्यक्रम, केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया। इस पहल का उद्देश्य भारतीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों में डिजाइन सोच एवं उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देना है।

इस सीबीडीई कार्यक्रम के तहत, एनसिस ने सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अधिमानतः महिला एम.टेक छात्रों को टॉप-अप फेलोशिप प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध किया है। यह पहल छात्रों को सामाजिक चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान विकसित करने में सक्षम बनाएगी। इस प्रकार के सहयोगात्मक प्रयास उच्च शिक्षा संस्थानों को अपने संस्थानों के भीतर डिजाइन एवं उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाते हैं।

एनसिस फेलोशिप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर केके पंत ने कहा कि परिसर में उपलब्ध सहायक वातावरण एवं संसाधनों के साथ ये फेलोशिप हमारे छात्रों, विशेष रूप से हमारी महिला छात्रों को सामाजिक उन्नति के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों में योगदान करने और इस प्रकार विकसित भारत 2047 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी।

एनसिस के भारत एवं जापान के एरिया वाइस प्रेसिडेंट माइक येगर ने कहा कि एनसिस भावी इंजीनियरों को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक शैक्षिक संसाधन प्रदान करता है। एनसिस शैक्षणिक कार्यक्रम छात्रों के लिए एनसिस सिमुलेशन को अपनाने में आने वाली बाधाओं को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह व्यावहारिक सिमुलेशन अनुभव प्रदान करता है और इंजीनियरिंग उद्योग में कौशल अंतर को पाटता है व इंजीनियरिंग छात्रों को जटिल प्रौद्योगिकियों के लिए तैयार करता है। हमें इस पहल का समर्थन करने पर गर्व है और हम आने वाले इंजीनियरों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अभूतपूर्व नवाचारों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक व प्रबंध संपादक निशांत राज के द्वारा सोनमाटी-प्रेस (रोहतास प्रिंटिंग एंड बाइंडिंग वर्क्स) में मुद्रित और पंजीकृत कार्यालय : सोनमाटी-प्रेस गली, जोड़ामंदिर, न्यूएरिया, पो.डालमियानगर-821305, डेहरी-आन-सोन, जिला रोहतास (बिहार) से प्रकाशित। (किसी भी विवाद के लिए डेहरी अनुमंडल न्यायालय ही संबंधित न्यायालय। सामग्री प्रकाशन के जिम्मेदार निशांत राज)

संस्थापक-स्व. कृष्ण किसलय। निशांत राज (प्रबंध संपादक 9955622367, 9708778136), उपेंद्रकश्यप (कंटेंट समन्वय), इनपुट: अवधेश कु. सिंह, मिथिलेश दीपक

डीएम ने लिया नया बस स्टैंड का जायजा, ट्रैफिक नियम में बदलाव

सासाराम (रोहतास) कार्यालय प्रतिनिधि। शहर के यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं, ताकि शहर को जाम से मुक्त किया जा सके। डीएम उदिता सिंह के निर्देश पर नई यातायात व्यवस्था लागू कर दिया है। सभी बसों का संचालन न्यू बस स्टैंड बेदा से होगा। 15 अक्टूबर तक पुरानी बस स्टैंड को नया बस स्टैंड में शिफ्ट करने की योजना है। बक्सर, वाराणसी, पटना, डेहरी, औरंगाबाद, रांची, गया, डोभी, और अन्य शहरों के लिए बसें यहीं से चलेंगी।

ऑटो और अन्य छोटे वाहन सड़क किनारे बनाए गए उजली रेखा के बाहर एक कतार में पार्किंग करेंगे। करगहर मोड़ पर भारी वाहनों के लिए टर्न निषेध रहेगा, और हल्के वाहन यू-टर्न ले सकेंगे। भारी वाहन फजलगंज एवं रेलवे मैदान, बौलिया मोड़ के पास बने कट से यू-टर्न लेंगे। पोस्ट ऑफिस चौक पर आरा-सासाराम पुल से आने वाले वाहनों को दाहिना टर्न निषेध रहेगा। हल्के वाहन दाहिने टर्न के लिए नेहरू पार्क के पास बने कट से यू-टर्न लेंगे। भारी वाहन बौलिया मोड़ के पास बने कट से यू-टर्न लेंगे। धर्मशाला क्रासिंग सभी प्रकार के वाहनों के लिए पूर्णतः बंद रहेगा। हल्के वाहन फल मंडी एवं रेलवे मैदान के पास बने कट से यू-टर्न लेंगे।

सुबह 7 से रात 9 बजे तक भारी वाहनों की रहेगी नो एंट्री। नो एंट्री पॉइंट्स में एसपी जैन चौक, मोकर नहर पुल, कुम्हऊ गेट और बाराडीह नहर पुल शामिल हैं। नो एंट्री में प्रवेश करने पर जुर्माना लगाया जाएगा।। इन बदलावों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, जिसमें एसपी जैन मोड़, कुम्हऊ गेट, मोकर नहर पुल, बाराडीह नहर पुल, धर्मशाला चौक, पोस्ट ऑफिस चौक, करगहर मोड़, हास्पीटल गेट, रौजा रोड गेट, फल मंडी, सासाराम कोर्ट, बेदा नहर मोड़, बौलिया मोड़, गौरक्षणी दुर्गा मंदिर, बाजार समिति गेट एवं तकिया जैसे इलाके शामिल हैं। रौजा रोड वन वे रहेगा एवं शेरशाह सूरी के मकबरा की ओर से रौजा गेट की तरफ किसी भी वाहन को ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

पूजा समितियां को एसडीएम ने जारी किए निर्देश

डेहरी-आन-सोन (रोहतास) कार्यालय प्रतिनिधि। एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह ने शांति समिति व विभिन्न पूजा समितियों को निर्देश देते हुए कहा कि विभिन्न पर्व त्योहारों के पर धार्मिक जुलूस, शोभा यात्रा में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, उच्च ध्वनि में धार्मिक नारे लगाने, डीजे बजाने, परंपरागत हथियारों का प्रदर्शन व अश्लील गाना अनावश्यक विवाद के कारण बनतें है। इससे विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न होती है। एसडीएम ने कहा कि इस प्रकार की समस्या को देखते हुए राज्य सरकार गृह विभाग द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में अनुमंडल क्षेत्र की पूजा समितियों को कई निर्देश दिए गए हैं। इसमें धार्मिक जुलूस, पूजा पंडाल की अनुज्ञप्ति सक्षम प्राधिकार से प्राप्त करना, जुलूस में लाठी, भाला, तलवार, आग्नेयास्त्र व अन्य हथियारों का प्रदर्शन किया जाना पूरी तरह से प्रतिबंध है। धार्मिक स्थलों पर रात 10 बजे से सुबह छह बजे के बीच ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग पर पूर्ण पाबंदी है। दिन में ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग के लिए सक्षम प्राधिकार से अनुमति आवश्यक है। एसडीएम श्री सिंह ने इसे लेकर सभी बीडीओ को पत्र भेज इस पर नियंत्रण रखने का निर्देश दिया है।

Sonemattee Media Group
Ph. no.-9955622367, 9708778136
सोनमाटी
sonemattee India News
www.sonemattee.com
Sonemattee Media Group
e.paper

प्रधानमंत्री ने दी डेहरी को नमामि गंगे की सौगात

डेहरी-आन-सोन (रोहतास) कार्यालय प्रतिनिधि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधी जयंती के मौके पर शहर को बड़ी सौगात दी है। यह सौगात नमामि गंगे के तहत शहर को स्वच्छ बनाते हुए सोन नदी, सोन कैनाल व गंगा को समृद्ध एवं सशक्त करते हुए स्वच्छता प्रदान करने वाला है। उन्होंने बुधवार को आनलाइन तीन योजना का शिलान्यास किया। इस पर करीब 63.89 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र के 21 एमएलडी गंदे पानी को साफ कर नदी एवं नहर में गिराया जाएगा। योजना के तहत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाएगा, जिससे शहरी क्षेत्र में जलजमाव सहित गंदगी से निजात मिलेगी।नगर परिषद के सम्राट अशोक भवन में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम के मौके पर नगर परिषद की मुख्य पार्षद शशि कुमारी, ईओ डॉ. सुजीत कुमार, नगर प्रबंधक आफताब आलम व स्वच्छता अधिकारी प्रणव कुमार सहित सशक्त स्थाई समिति सदस्य एवं वार्ड पार्षद उपस्थित थे। सशक्त स्थाई समिति सदस्य रवि शेखर के अनुसार बुडको की देखरेख में योजना को पूरा कराया जाएगा। इस दौरान महात्मा गांधी के तैल चित्र पर सभी ने माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में नगर परिषद के सफाई सुपरवाइजर व 30 सफाई कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए टी शर्ट तथा अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने बच्चियों को बचाने एवं वृद्धजनों की सेवा करने की शपथ ली। उच्च विद्यालय डेहरी की छात्राओं ने स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर नाटक का मंचन किया। मौके पर गुड्डू चंद्रवंशी, पार्षद आनंद चौधरी, आकाश कुमार, रीतू हजारिका, कलावती देवी, अभिषेक आनंद समेत अन्य उपस्थित थे।

डांडिया महोत्सव सह महिला सम्मान समारोह का आयोजन 8 अक्टूबर को,रजिस्ट्रेशन शुरू

सासाराम (रोहतास) कार्यालय प्रतिनिधि। नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में भारतीय लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डांडिया महोत्सव सह महिला सम्मान समारोह 2024 का आयोजन जनकल्याण सेवा समिति द्वारा 8 अक्टूबर 2024 (मंगलवार) को संध्या 5.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक राज वाटिका होटल पेट्रोल पंप, बेदा, सासाराम में किया गया है। इस आयोजन में महिलाएं, युवतियां सहित मां-बेटी एवं पति-पत्नी भाग ले सकते हैं। डांडिया के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। रजिस्ट्रेशन 6 अक्टूबर 2024 (रविवार) संध्या 5:00 बजे तक कराया जा सकता हैं। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से कराया जा सकता हैं।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए मोबाइल नंबर 9123400489 पर किया जा सकता है। वहीं ऑफलाइन के लिए आप फारम जगत, अड्डा रोड पोस्ट ऑफिस, सासाराम तथा कुशवाहा सभा भवन, सासाराम में संपर्क कर सकते हैं।

समिति के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने सोनमाटी से बातचीत में कहा कि समाज को जोड़ने, आपसी प्रेम भाव मेल मिलाप बढ़ाने के उद्देश्य से महिलाओं द्वारा यह आयोजन करवाया जा रहा है। डांडिया महोत्सव के साथ- साथ सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा।

अध्यक्ष ने बताया कि डांडिया में भाग लेने के लिए प्रवेश शुल्क रखा गया है। महिलाएं और युवतियां के लिए 251 रुपए तथा मां-बेटी और पति-पत्नी के लिए 351 रुपए है।10 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रवेश निःशुल्क है। आगे उन्होंने बताया कि समिति द्वारा महिलाओं के लिए सावन महोत्सव, अंतर्राष्टीय महिला दिवस ऐसे कई कार्यक्रम आयोजित कराए जाते रहे हैं।

मौके पर उषा सिंह, संध्या सिंह, प्रीति पाण्डेय, एलआईसी एडवाइजर मधुमति कुमारी, रूबी कुमारी, शशि बाला, अन्नु कुमारी, पूनम कुमारी, गीता कुमारी, डॉ. हरेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, अमित कुमार पटेल, सचिन कुमार, प्रभात कुमार, अश्वनी कुमार एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

सात बच्चे सोन नदी में डूबे, छह शव बरामद

डेहरी-आन-सोन (रोहतास) कार्यालय प्रतिनिधि। रोहतास थाना क्षेत्र के तुम्बा गांव के निकट सोन नदी ने स्नान करने के क्रम में एक ही परिवार और रिश्तेदार के 4 किशोर और तीन किशोरी आज डूब गए। शाम तक छह शव बरामद कर लिया गया है। एस डी आरएफ की टीम एक की तलाश कर रही है। घटना के बाद तुंबा गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। डूबे किशोर में अभय कुमार उम्र 10 वर्ष पिता केदार गौंड, विवेक कुमार उम्र 12 वर्ष पिता हीरालाल गौंड उर्फ टुन्नू गौंड, राजू कुमार उम्र 12 वर्ष पिता कृष्णा गौंड सभी तुम्बा निवासी है। जबकि इनके रिश्तेदार रांची (झारखंड) निवासी नंद किशोर गौंड के पुत्र पवन कुमार उम्र सात वर्ष, पुत्री नाव्या कुमारी उम्र 13 वर्ष निधि कुमारी उम्र 12 वर्ष, गुनगुन कुमारी उम्र 8 वर्ष शामिल है। इसमें गुनगुन कुमारी के शव को एसडीआरएफ की टीम तलाश कर रही है।

एसपी रौशन कुमारने बताया कि घटना स्थल परअनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह व थानाध्यक्ष निकुंज भूषण कैंप किए हुए है। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि छह का शव मिल गया है। प्रयास है कि सभी का शव खोज लिया जाए।

बिहार की बहुचर्चित फिल्म चम्पारण सत्याग्रह का ऑफिसियल पोस्टर मुंबई में रिलीज, कई दिग्गज लोगों ने हिस्सा लिया

बिहार की बहुचर्चित फिल्म *चम्पारण सत्याग्रह* का ऑफिसियल पोस्टर मुंबई स्थित आदर्श नगर गोरेगांव के गुरु कृपा स्टूडियो में रिलीज की गई। कार्यक्रम में फिल्मों से जुड़े कई दिग्गज लोगों ने हिस्सा लिया।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में पहले असहयोग आंदोलन के रूप में चम्पारण सत्याग्रह का नाम स्वर्णाक्षरों में उल्लेखित है। आज की युवा पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराने हेतु *चम्पारण सत्याग्रह* नाम से भव्य फीचर फिल्म बनायी गई है, जिसमें भोजपुरी एवं हिन्दी फिल्मों के मशहूर कलाकारों ने अभिनय किया है। फ़िल्म सम्पूर्ण विश्व में चम्पारण के अतीत के अनछुए पहलुओं से रूबरू कराएगी।

युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट द्वारा कॉरपोरेट रूप में बन रही यह फ़िल्म सुप्रसिद्ध गाँधीवादी ब्रजकिशोर सिंह लिखित पुस्तक चम्पारण में बापू एवं डॉ. राजेश अस्थाना द्वारा लिखित पुस्तक *चम्पारण सत्याग्रह गाथा* से संदर्भित है। युवा फ़िल्मकार ई. युवराज द्वारा निर्मित चम्पारण सत्याग्रह की परिकल्पना, कथानक, स्क्रिप्ट, संवाद, अभिनय एवं निर्देशन का जिम्मा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त बिहार के चर्चित फिल्मकार डॉ. राजेश अस्थाना ने संभाला है। फ़िल्म में लगभग 168 कलाकारों ने डायलॉग के साथ अभिनय का जलवा बिखेरा है एवं 1000 जूनियर आर्टिस्ट के साथ साथ बैल, घोड़ा और हाथी ने भी अभिनय किया है।

इस अवसर पर डॉ. अस्थाना के अलावे फिल्मकार मेहंदी कमल, पीआरओ समरजीत, अभिनेता पवार स्टार एडीएम आनन्द देव, संगीतकार एस कुमार, प्रोडक्शन डिजाइनर शहज़ाद खान, वरिष्ठ पत्रकार उमेश सिंह चंदेल, साउंड डिजाइनर सुब्रत तन्ना, छायाकार शिवा चौधरी, अभिनेता अनीस राव, प्रोडक्शन कंट्रोलर विजय पाठक, फ़िल्म संपादक कृष्ण मुरारी यादव, गुरु कृपा स्टूडियो के डबिंग संपादक दिनेश चौरसिया समेत काफी संख्या में फिल्मकर्मी मौजूद थे।

फ़िल्म की सह निर्मात्री डॉ. सीमा रानी, अस्मिता राज, सुरभि श्रीवास्तव व अशोक सहनी हैं, तो गीतकार चम्पारण के ही गीतों के राजकुमार की उपाधि से विभूषित पंडित अश्विनी कुमार आँसू एवं डॉ. राजेश अस्थाना हैं। संगीतकार स्नेहाशीष शिबू देव हैं। फ़िल्म में छायांकन अशोक माही, कास्टिंग डायरेक्टर शहज़ाद खान, न्यूज़ टुडे बिजनेस हेड आकाश मित्तल, प्रोडक्शन हेड सम्राट, स्थिर छाया रिंकू गिरी का है तो संपादन मुंबई में बिहार के चर्चित फ़िल्म संपादक कृष्ण मुरारी यादव, पोस्ट प्रोडक्शन जी फोकस स्टूडियो मुम्बई, डी आई संपादन राज मिनरुल, वीएफएक्स रितेश, क्रोमा रविन्द्र कुमार, श्री डी सुरेन्द्र पंडित, मिक्सिंग शाहनवाज़, साउंड डिजाइन राजा यादव पीआरओ समरजीत हैं। वहीं बिजनेस हेड आकाश मित्तल, बिजनेस एक्सक्यूटिव विपुल शर्मा, कला राज कुमार उपाध्याय, सहायक निर्देशक चन्दन झा, कंचन सिंह एवं बबिता श्रीवास्तव, फ़िल्म में स्पॉट गोलू ठाकुर, न्यूज़ टुडे दिनेश पासवान एवं रंजन कुमार, प्रोडक्शन कंट्रोलर राममणि एवं चंदेश्वर, रूप सज्जा माइकल एवं श्वेता राज का है।

-निशांत राज

दाउदनगर के कलाकारों द्वारा शॉर्ट फिल्म का निर्माण

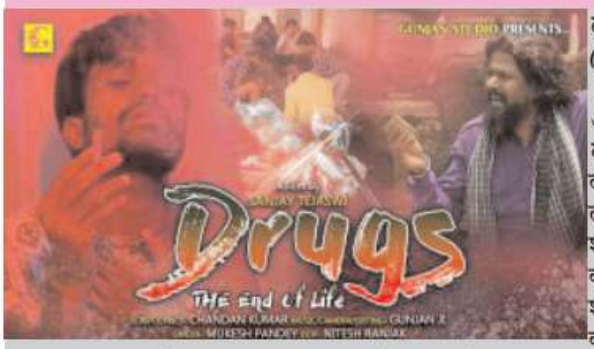

दाउदनगर (औरंगाबाद) ओमप्रकाश कुमार। ड्रग्स-द एंड ऑफ लाइफ नामक शॉर्ट फिल्म का निर्माण शहर के कलाकारों के द्वारा किया जा रहा है। आज-कल मेट्रो शहर जैसे शहरों के गंदे लत छोटे-छोटे शहर एवं गांवों के युवाओं में बढ़ती जा रही है। युवा ड्रग्स जैसे खतरनाक नशा के शिकार हो रहे हैं। ड्रग्स नहीं मिलने पर नशा के आदि हो चुके युवा नशा के लिए क्या-क्या इस्तेमाल करते हैं, इस फिल्म में दिखाया गया है, और अंततः उसका परिणाम बहुत ही घातक होता है। परिवार उजड़ जाता है। मां-बाप के सपने टूट जाते हैं। कम संसाधन में जीरो बजट की फिल्म बनाई गई है। 50- 60 मिनट की इस फिल्म में लोकल स्तर पर अपने ही क्षेत्र में स्थानीय कलाकार के द्वारा शूटिंग की गई है।

इस फिल्म का निर्देशन संजय तेजस्वी के द्वारा किया गया है और फिल्म की पटकथा चंदन कुमार के द्वारा लिखा गया है। वही गुंजन स्टूडियो के द्वारा इसका निर्माण किया गया है। फिल्म में कैमरा, एडिटिंग गुंजन कुमार के द्वारा एवं मुकेश पाण्डेय के द्वारा गाने को गया गया है। फिल्म में चंदन कुमार, विकास कुमार, लक्ष्य कोचिंग सेंटर के निदेशक ओम प्रकाश कुमार (पत्रकार की भूमिका में), संतोष अमन, संदीप तांती, कल्याणी, सुनीता कुमारी, रौशन आर्या धीरज कुमार, रुपेश,धीरज कुमार, बलराम कुमार, अमर नाथ सोनू , बैजू के अलावा दर्जन भर कलाकारों ने काम किया है।

निर्देशक संजय तेजस्वी ने बताया कि फिल्म का उद्देश्य युवाओं को जागरूक करना है व शहर में फिल्म निर्माण के लिए अवसर पैदा करना है ताकि जो कलाकार मुंबई जैसे शहरों में जाकर फिल्म में काम करने का सपना देखते हैं उन्हें भी पर्दे पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। आने वाले समय में इस क्षेत्र में रोजगार के भरपूर अवसर पैदा करना भी खास उद्देश्य है। फिल्म बनकर तैयार हो गया है। जल्द ही बड़े प्लेटफार्म पर दिखेगा।

30 से अधिक भाषाओं में अंतरराष्ट्रीय प्रसार वाले देश के सबसे बड़े प्रकाशन संस्थान नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया से प्रकाशित

विज्ञान का इतिहास : हजारों सालों के दार्शनिक चिंतन के वैदिक-पौराणिक संदर्भ के साथ

ब्रह्मांड के उद्भव, जीवन की उत्पति और पृथ्वी पर आदमी के अवतरण की अब तक अनकही प्रमाणित वैज्ञानिक कहानी

सुनो मैं समय हूं

(गुजरे हुए कल, वर्तमान और आने वाले कल का भी)

लेखक : कृष्ण किसलय

फोन 9708778136, 9523154607 Email: krishna.kisalay@gmail.com

एनबीटी, इंडिया के पटना (06122546967), दिल्ली (01126707700) सहित देश-विदेश के विक्रय केंद्रों पर उपलब्ध। आनलाइन बिक्री।

nro.nbt@nic.in

मूल्य : 105 रु. (सचित्र 184 पृष्ठ)

ब्रह्मांड खंड : दिमाग को चकरा देने वाली है ब्रह्मांड की गुत्थी। विराट-विराट ब्रह्मांड का सटीक संचालन कैसे ? कब पैदा हुआ, कहां फैल रहा,कब होगा इसके फैलने का अंत ? ब्रह्मांड का 80 फीसदी पदार्थ अदृश्य। जब विज्ञान की परिधि में आया ब्रह्मांड। जब ब्रूनो को जिंदा जला दिया गया। जहां से हुई आधुनिक भौतिक विज्ञान की शुरुआत। ईश्वर ने बनाई सृष्टि तो ईश्वर को किसने बनाया ? नियम से विकसित ब्रह्मांड में ईश्वर का क्या काम ? हम जिस आकाशगंगा में है। फर्मियान, बोसोन कणों से बना ब्रह्मांड और गाड पार्टिकल से बना दृश्य जगत।

जीवन खंड : पृथ्वी पर पनपा या आकाश से टपका जीवन ? जीव उत्पत्ति की अनसुलझी गुत्थी। लुप्त हैं जैव विकास-क्रम की कई कड़ियां। सोन-घाटी में मिले सौ करोड़ साल पुराने बहुकोशीय जीवाश्म। आदि प्रोटीन ने पत्थर खाकर उगली मिट्टी। थलचर से जलचर बनीं ह्वेल,डाल्फिन। 3 अरब वर्ष पूर्व पैदा हुए बैक्टीरिया का वंशज और बंदर का बेटा है आदमी ? चिंपैजी है आधुनिक आदमी का रिश्तेदार। धरीत के सभी जीवों में जब है एक जैव पदार्थ, फिर गुफा से निकलने के बाद आदमी (होमो सैपियन) का ही पृथ्वी पर एकछत्र राज क्यों ?